संदेश आत्मा, बोकारो

सफलता की कहानी- किसान की जुबानी

व्यवसायिक खेती किसानों के लिए वरदान :- नन्दलाल महतो

मैं नन्दलाल महतो, ग्राम-एटके, टोला- खुटाहारा, पंचायत- चरगी, प्रखंड- पेटरवार का रहने वाला हूँ। मैंने वर्ष 1991 में मेंट्रीक एवं 1993 में 10+2 की परीक्षा में उतीर्ण हुआ। शुरू से ही परिवार में आर्थिक तंगी के कारण 1991 में मेंट्रीक की परीक्षा देने के पश्चात गाँव में बच्चों को शिक्षा देने का कार्य शुरूवात किया। मैंने बच्चों को पढ़ाकर उससे जो फीस के रूप में पैसा आता था उसी से 10+2 की पढ़ाई किया। घर का बड़ा बेटा होने के कारण घर की जिम्मेवारी भी उठाना पड़ रहा था जिस कारण मैं आगे की पढ़ाई नहीं कर पाया। गाँव में ट्यूसन से गूजर-बसर नहीं हो पाने के कारण मुझमें अपनी जमीन की ओर खेती करने में झूकाव आने लगा। शुरूवात में मैंने अपने तरीके से खेती करते आ रहा था तभी मुझे आत्मा कार्यालय, बोकारो के द्वारा सब्जी की खेती करने के बारे में उन्नत तरीके का जानकारी मिला। मैं उसी तरीके से अपने जमीन पर खेती करने लगा। साथ में कृषि विज्ञान केन्द्र, पेटरवार, बोकारो के वैज्ञानिकों से सहाल लेकर उनसे अलग-अलग फसलों की जानकारी लिया एवं खेती से अच्छा पैसा कमा रहा हूँ। मैं धान की SRI विधि से धान की खेती का शुरूवात किया जिसमें मेरे धान की उपज में तीन गुना वृद्धि हो गया। मैंने गेंहूँ की खेती के तरीका में बदलाव करके यानि SWI विधि गेंहूँ लगाकर जिसमें 1 किलों गेहूँ लगकार 110 किलो गेंहूँ का उपज किया। खेती के अलावा मैं मुर्गा पालन का कार्य शुरूआत किया अभी मैं 1500 मुर्गा प्रत्येक बैच में पालता हूँ जिससे मुझे अच्छी आमदनी हो जाती है। मैं सब्जी की खेती में आलू, टमाटर, गाजर, बैंगन, गोभी, ओल, दलहन में कुल्थी, अरहर, अनाज में धान, मक्का की खेती करता हूँ। आज मैं अलग-अलग गाँवों में किसानों को वैज्ञानिक तरीके की खेती करने का प्रशिक्षण देता हूँ। मुझे कृषक पाठशाला में संचालक का कार्य मिला है। जिसके तहत हजारों किसानों को जानकारी बांट रहा हूँ। मैं अभी 10 डीसमल में अदरक तथा 6 एकड़ में अरहर की खेती लगाया हूँ।

बंधागोभी की व्यवसायिक खेती

आज मैं इस स्थिति में हूँ कि अपने बच्चों की पढ़ाई अच्छे स्कूल में करा रहा हूँ जिसमें 2500/- रूपये प्रतिमाह खर्च होता है।